सोमवार को चार हजार यात्री निकालने का दावा

...तो अब महज चार हजार ही शेष

● आंकड़ों में भ्रम की स्थिति बरकरार

● सुलझ नहीं रहा 22 हजार का गणित

● अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। शासन के मुताबिक प्राकृतिक आपदा के बाद रुद्रप्रयाग, चमोली और उत्तरकाशी जिलों में फंसे तीर्थ यात्रियों की संख्या महज चार हजार ही रह गई है। यह आंकड़ा रविवार को शेष बताए गए यात्रियों की संख्या के आधार पर है। जबकि शुक्रवार को 22 हजार लोगों के फंसे होने के आंकड़े के बाद हिसाब गड़बड़ा रहा है। दरअसल, कितने लोग अभी फंसे हैं और कितने निकाले गए, इनकी संख्या पर भ्रम की स्थिति बरकरार है।

सचिवालय में आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्य सचिव सुभाष कुमार ने बताया कि यमुनोत्री घाटी पूरी तरह खाली करा ली गई है। हर्षिल, मनेरी भडवाड़ी से 830 यात्रियों को धरासू पहुंचाया गया है। इनमें से 600 यात्री घरों के लिए भी रवाना हो गए। इन स्थानों पर अभी 1450 यात्री फंसे हैं। बदरीनाथ से सोमवार को 160 लोगों को निकाला गया। यहां अब भी ढाई हजार लोग और फंसे हैं। जोशीमठ से सैनिकों के साथ रवाना किए गए 1470 लोग पांडुकेश्वर से आगे बढ़ गए हैं। विगत दिवस जंगलचट्टी से निकाले 390 लोग और जोशीमठ में पहले से रुके40 लोगों को टिहरी रवाना कर दिया गया है। इनका रात्रि प्रवास टिहरी जिले में होगा। गुप्तकाशी पहले ही पूरी तरह से खाली हो चुका है। यमुना वैली से अलग अलग स्थानों से लगभग 200 लोगों को बड़कोट पहुंचा दिया गया है।

इसके अलावा भी एक हजार से ज्यादा लोग अलग अलग स्थानों से निकालकर गंतव्य के लिए रवाना कर दिए गए हैं। अभी पिथौरागढ़ के बदियाकोट में भी 40 यात्री फंसे हैं। पूरे प्रदेश में आई आपदा से मरने वालों की संख्या अब भी 557 ही बताई जा रही है।

स्थान	निकाले गए लोग	फंसे यात्री
हर्षिल	402	1250
मनेरी	351	200
भटवाड़ी	77	40
बदरीनाथ	160	2500
यमुनोत्री वैली	200	कोई नहीं

(इसके अलावा विभिन्न स्थानों से 1000 से ज्यादा लोगों को सड़क मार्ग से गंतव्य के लिए रवाना किया गया।)